# उद्योगों की जरूरत के अनुसार शोध आवश्यक : डा. टीआर पच्चामुथु

जागरण संवाददाता, राई : राजीव गांधी एजुकेशन सिटी स्थित एसआरएम यूनिवर्सिटी के आज अपने द्वितीय शैक्षणिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन समारोह विश्वविद्यालय सभागार में आयोजित किया गया। जिसमें एसआरएम विश्वविद्यालय चेन्नई के संस्थापक कुलाधिपति डॉ. टी आर पच्चामुथु मुख्य अतिथि व सोनीपत के एसडीएम अमित खत्री विशिष्ठ अतिथि थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता एसआरएम यूनिवर्सिटी, हरियाणा के कुलपति डा. एस. राजाराजन ने की।

बुधवार को विश्वविद्यालय के सभागार में आयोजित कार्यक्रम का मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि व कुलपति, निदेषक ने दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया।

मुख्य अतिथि डा. टीआर पच्चामुथु ने नव सत्र प्रारंभ के उपलक्ष्य में डा. पच्चामुथु ने कहा कि एसआरएम ग्रुप 40 वर्षों से शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। ग्रुप चिकित्सा, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग, मानविकी, प्रबंधन, विधि से 20 प्रतिष्ठित संस्थानों का कुशलतापूर्वक संचालन करता है। जहां हजारों छात्र-छात्राएं उत्कृष्ट संसाधनों के साथ उच्च मानक शिक्षा ग्रहण कर प्रतियोगितापूर्ण व्यावसायिक परिवर्तन की ओर अग्रसर है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में राजीव गांधी एजुकेशन सिटी में 47 एकड़ भूमि पर अल्पकाल में ही चार ब्लाक तैयार है और बहुमंजिल इमारत निर्माणाधीन है। कठोर परिश्रम और धैर्यपूर्ण कार्य करने पर ही

एसआरएम यूनिवर्सिटी में प्रशिक्षण कार्यक्रम का दीप जलाकर उद्घाटन करते मुख्य अतिथि कुलाधिपति डा. टीआर पच्चामुथु साथ में एसडीएम अमित खत्री।

एसआरएम एक ब्रांड नाम बन गया है जो भारत में शिक्षा की गुणवत्ता और श्रेष्ठ संसाधनों का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि संस्थान उद्योगों की जरूरतों के मुताबिक शोध को बढ़ावा दे रहा है। संस्थान के रूप में परिणत होने और छात्रों को प्रतिपल शोध संस्थानों और उद्योगों की चुनौतियों से अवगत कराया। नवीन और अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं/वर्कशाप में शोध के माडर्न वैज्ञानिक यंत्रों के माध्यम से संकल्पित उद्देश्य को पूर्ण करने की कामना की।

एसआरएम यूनिवर्सिटी का न्यूजलेटर का भी विमोचन किया। एसआरएम यूनिवर्सिटी हरियाणा के कुलपति प्रोफेसर डा. एस. राजाराजन ने अपने अध्यक्षीय भाषण में इस विश्वविद्यालय को आईआईटी व आईआईएम के तुल्य बताया।